गेहूं खरीदी 1 अप्रैल से शुरू होने पर किसानों में नाराजगी

कर्ज जमा करने की तारीख बढ़ाने की मांग

देवास/कांटाफोड़। सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी 1 अप्रैल से शुरू किए जाने के निर्णय को लेकर कांटाफोड़ क्षेत्र के किसानों में नाराजगी देखने को मिल रही है। किसानों का कहना है कि खरीदी की तिथि और बैंक ऋण जमा करने की अंतिम तिथि के बीच समन्वय नहीं होने से उन्हें आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है।

किसानों ने शासन से मांग की है कि गेहूं खरीदी 1 अप्रैल के बजाय 16 मार्च से ही प्रारंभ की जाए तथा कृषि ऋण जमा करने की अंतिम तिथि को भी आगे बढ़ाया जाए, ताकि किसानों को राहत मिल सके। किसानों के अनुसार वर्तमान में बैंकों द्वारा कृषि ऋण चुकाने की अंतिम तिथि 28 मार्च निर्धारित की गई है, जबकि समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी 1 अप्रैल से प्रारंभ होने वाली है। ऐसी स्थिति में किसानों के सामने गंभीर समस्या खड़ी हो रही है, क्योंकि जब तक उनकी उपज की बिक्री नहीं होगी तब तक उनके पास ऋण चुकाने के लिए पर्याप्त राशि उपलब्ध नहीं हो पाएगी। कई किसानों का कहना है कि यदि समय पर ऋण जमा नहीं हुआ तो उन्हें बैंक के ब्याज और अन्य दंडात्मक प्रावधानों का सामना भी करना पड़ सकता है। किसानों ने

बताया कि इस समय क्षेत्र में गेहूं की फसल कटाई के लिए तैयार है और कई स्थानों पर कटाई भी शुरू हो चुकी है। ऐसे में यदि सरकार समय से पहले खरीदी शुरू कर दे तो किसानों को अपनी उपज बेचने में सुविधा होगी और वे समय पर बैंक ऋण जमा कर सकेंगे। किसानों का कहना है कि समय पर खरीदी नहीं होने से उन्हें मजबूरी में अपनी उपज व्यापारियों को कम दाम में बेचनी पड़ सकती है। किसानों का यह भी कहना है कि हर वर्ष खरीदी और ऋण जमा करने की तिथियों में तालमेल नहीं होने से उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ता है। यदि शासन स्तर पर पहले से इस विषय पर ध्यान दिया जाए तो किसानों को इस प्रकार की आर्थिक कठिनाइयों से बचाया जा सकता है। किसानों ने शासन और प्रशासन से मांग की है कि किसानों की स्थिति को ध्यान में रखते हुए जल्द ही सकारात्मक निर्णय लिया जाए।

किसानों का कहना है कि गेहूं खरीदी की तिथि आगे बढ़ाने और ऋण जमा करने की अंतिम तिथि में बढ़ोतरी करने से किसानों को राहत मिलेगी और वे बिना किसी आर्थिक दबाव के अपनी फसल का उचित मूल्य प्राप्त कर सकेंगे।

होली मिलन समारोह में दी संगीतमय प्रस्तुति

देवास। स्वर संचार समूह देवास द्वारा शानदार संगीतमय होली मिलन समारोह में मस्ती भरें गीतों का आयोजन 14 मार्च शनिवार को शाम श्रीमणि निवास राधागंज देवास में बहुत ही शानदार तरीके से संपन्न किया गया।

आयोजक एवं संयोजक दिनेश कुमार बावने और आयोजक मंडल के निर्देशन में किया गया। जिसमे देवेंद्र पंडित, मोनिका गौड़, रमेश चौधरी, सोमा पोद्दार, गौतम पोद्दार, ललित वेद, वेद प्रकाश आर्य, विप्लव उपाध्याय, दीप्ती निगम, संतोष दरकदार, विनोद कुमार चौहान, बसंत जैन, मनीष जैन, सुभीर घोष, सुमन हीरे (महू), अरुण हीरे(महू), राजेश पटेल, संतोष रैकवाल, मानसी उपाध्याय, संतोष भोसले, आरती भोंसले, रवि अग्रवाल, माधुरी दायमा, ऋषि उपाध्याय, शक्तिवर्धन निगम, कविता निगम, मनीष सावंत, दिनेश कुमार बावने गायकों एवं गायिकाओं द्वारा शानदार मस्ती प्रस्तुतियां पेश की गई। इस अवसर पर आयोजक मंडल द्वारा नरेंद्र अग्रवाल और रेखा अग्रवाल का सम्मान और दीप्ती निगम का जन्मदिवस भी मनाया गया। बेहतरीन संचालन रमेश चौधरी ने किया और गौतम पोद्दार द्वारा आभार व्यक्त किया स इस शानदार यादगार आयोजन को स्वर साधकों और श्रोताओं द्वारा काफी सराहा गया।

एक नजर में

आजीवन सहयोग निधि की राशि सौंपी

देवास। भाजपा जिला अध्यक्ष देवास रायसिग सेधव को आजीवन सहयोग निधि 21000 भाजपा जिला कार्यालय देवास जिला मुख्यालय पहुंच करके वरिष्ठ भाजपा नेता एवं अटल भारतीय हिंदू फाउंडेशन के शुभचिंतक जनपद अध्यक्ष कन्नौद प्रतिनिधि रेवाराम सारण द्वारा पार्टी फंड हेतु जिला अध्यक्ष भेंट की इस दौरान अनेक पार्टी कार्यकर्ता भाजपा कार्यालय देवास पर उपस्थित थे।

फूल कुंवर देवी जोशी का निधन

टोंक खुर्द। नगर टोंक खुर्द के स्वर्गीय देवनारायण जोशी की धर्मपत्नी एवं अनिल जोशी,रवि जोशी की माता जी तथा शुभम,निलेश,भाजपा युवा नेता यश जोशी की दादी जी श्रीमती फूल कुंवर देवी का 80 वर्ष में निधन हो गया। अंतिम दाह संस्कार मे।भाजपा विधि प्रकोष्ठ पूर्व देवास जिला संयोजक श्याम सिंह गालोदिया,एडवोकेट दीपेश व्यास,पंडित मुकेश जोशी, पारस जैन,नरेंद्र सिंह(गोलू कुशवाह), भाजपा नेता सी,एम,भदोरिया, एडवोकेट विनय श्रीवास्तव,भाजपा युवा नेता अजय पांचाल,अखिलेश पांचाल,वरिष्ठ पत्रकार निर्भय सिंह कराड़ा,भगवान सिंह कुशवाह (बाबूजी), है आदि सर्व समाज के लोगों ने बड़ी संख्या में भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।

साधना-सेवा का लक्ष्य ही परम पुरुष की प्रसन्नता...

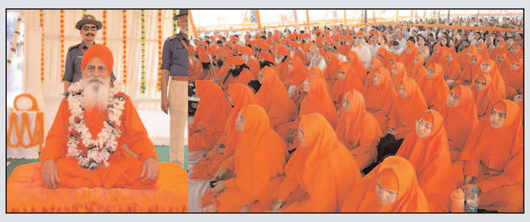

देवास। आनंद मार्ग प्रचारक संघ देवास के हेमेन्द्र निगम काकू ने बताया कि दिनांक 13 से 15 मार्च 2026 तक आनन्द मार्ग प्रचारक संघ द्वारा बाबा नगर, जमालपुर, बिहार में विश्व स्तरीय धर्म महासम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।जिसमें भारत सहित विदेशी साधक भी कार्यक्रम में उपस्थित हुए। 13 मार्च को प्रकृति की सुरम्य गोद में स्थित आध्यात्मिक केंद्र आनंद सम्भूति मास्टर यूनिट, अमझर के कोलकाली मैदान में आयोजित भव्य धर्म महासम्मेलन के प्रथम दिवस का कार्यक्रम आध्यात्मिक ऊर्जा, भक्ति और उत्साह से परिपूर्ण रहा। हरि परिमंडल गोष्ठी (महिला विभाग) के अंतर्गत आचार्या अवधूतिका आनंद आराधना के नेतृत्व में 22 साधिका बहनों ने भावपूर्ण कौशिकी नृत्य प्रस्तुत किया, जिसने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं सेवा धर्म मिशन के अंतर्गत आचार्य सुष्मितानंद अवधूत के निर्देशन में 16 बाल साधकों ने ओज और उत्साह से परिपूर्ण तांडव नृत्य प्रस्तुत कर वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। इसके उपरांत प्रभात संगीत संख्या 816 और 817 का भावानुवाद तीन भाषाओं में प्रस्तुत किया गया। मुख्य प्रवचन में श्रद्धेय पुरोधा प्रमुख आचार्य विश्वदेवानंद अवधूत ने नाम कीर्तन की महिमा विषय पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि किसी व्यक्ति या वस्तु को संबोधित करने के लिए नाम आवश्यक होता है, किंतु नाम केवल एक शब्द नहीं है। किसी वस्तु के प्रति जो भाव या मानसिक धारण होता है, वही उसके नाम के साथ जुड़ा रहता है। उन्होंने कहा कि एक प्राचीन प्रश्न है अधिक शक्तिशाली कौन है, परम पुरुष या उनका नाम? इस संदर्भ में उन्होंने हनुमान और भगवान राम का उदाहरण देते हुए कहा कि हनुमान ने समुद्र लांघने से पहले राम का नाम लेकर ही अपनी शक्ति प्राप्त की। इससे स्पष्ट होता है कि नाम में निहित शक्ति अत्यंत प्रभावशाली होती है। आचार्य जी ने कहा कि जब तक भक्त नहीं थे, तब तक भगवान का कोई नाम भी नहीं था। भक्तों ने ही भगवान को नाम दिए।

इसी कारण भगवान और भक्तों के बीच एक मधुर संबंध और प्रेमपूर्ण संवाद हैकृभगवान भक्तों को श्रेष्ठ मानते हैं और भक्त भगवान को। उन्होंने बताया कि नाम में निहित शक्ति केंद्रित और सुप्त अवस्था में रहती है। जब नाम का उच्चारण होता है, तब वह शक्ति सक्रिय होकर प्रभाव उत्पन्न करती है। इसी सिद्धांत को समझाने के लिए उन्होंने (ओं) के प्रतीक का उदाहरण देते हुए कहा कि उसमें स्थित बिंदु संभावित शक्ति का प्रतीक है और अर्धचंद्र उस शक्ति की अभिव्यक्ति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मनुष्य और परम पुरुष का संबंध प्रेम का संबंध है। साधना, सेवा और पूजा कृ इन सभी का अंतिम उद्देश्य परम पुरुष को संतुष्ट करना है। इसलिए साधक को सदैव यह स्मरण रखना चाहिए कि साधना और सेवा का लक्ष्य परम पुरुष की प्रसन्नता ही है।

ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों का एक दिनी प्रशिक्षण

देवास। संस्था रालामंडल श्री नारायण बापू लोक शिक्षा समिति मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद नवांकुर योजना अंतर्गत आयोजित ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियां का एक दिवसीय क्षमता वर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम आज 14 मार्च 2026 को जननी जन्मभूमि विद्या मंदिर ग्राम रालामंडल में संपन्न हुआ कार्यक्रम का आयोजन नवांकुर संस्था रालामंडल श्री नारायण बापू लोक शिक्षा समिति द्वारा किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में ब्लॉक समन्वयक नीलम सोनी, आंगनवाड़ी एएनएम दुर्गा धारियाआंगनवाड़ी कार्यकर्ता गायत्री धानक, किरण चौहान आशा कार्यकर्ता शिवानी गोयल जननी जन्मभूमि विद्या मंदिर के प्रधानाध्यापिका गायत्री पँवार, शिक्षिका भाग्यश्री पण्डया, नेहा व्यास, अनुष्का परमार, अंजलि मालवीय, आरती जयसवाल, हरिओम सिंह पँवार, ग्राम चौकीदार ललिता पँवार, नवांकुर सखिया एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष घनश्याम सिंह सुतार खेड़ा, कोलू खेड़ी अध्यक्ष अर्जुन मालवीय, लक्ष्मीपुरा अध्यक्ष मोहन परमार, सहायक ग्राम के वरिष्ठ नागरिक कल्याण सिंह, अंतर सिंह, जयराम, पूर्व सरपंच रमेश चंद्र वर्मा, नारायण सिंह, प्रहलाद मकवाना, शांतिलाल पांचाल, मोहन पटवा, राजेश वर्मा एवं माता बहनों द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम को आगे बढाते हुए प्रशिक्षण सत्र में देवास ब्लॉक समन्वयक नीलम सोनी द्वारा मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद पूरे प्रदेश में कार्यरत है और इसमें समस्त नवांकुर एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियां और नवांकुर सखियां द्वारा यह अभियान पूरे प्रदेश में चलाया जाता है। इसमें सरकार के साथ रहकर सरकार का सहयोग करते हैं। मध्य प्रदेश जन अभियान सरकार के सभी बिंदुओं पर कार्य करता है। यह संदेश ब्लॉक समन्वय द्वारा दिया गया।

स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर समीक्षा बैठक

देवास। स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर आयुक्त दलीप कुमार ने निगम स्वास्थ्य विभाग एवं स्वच्छ भारत मिशन की टीम के साथ विभाग प्रमुख एवं विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक आहूत की। आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण को दृष्टिगत रखते हुए आयुक्त के द्वारा वार्डो में औचक निरीक्षक किया जा रहा है।

जिन वार्डों में साफ सफाई के कार्यो मे कमी पाई गई तथा त्वरित निराकरण को लेकर बैठक में स्वास्थ्य विभाग के स्वच्छता निरीक्षकों एवं दरोगाओं को दिशा निर्देश दिये साथ ही स्वच्छता गाईड लाईन के अनुसार किये जाने वाले स्वच्छता के कार्यो के लिए एवं सफाई मित्रों को सफाई कार्यो के लिए दी जाने वाली सामग्री उपलब्ध कराये जाने के लिए स्वास्थ्य अधिकारी सौरभ त्रिपाठी को निर्देशित किया।

चैत्र नवरात्रि में भक्तों के आगमन की प्रतीक्षा में सजने लगी है माता टेकरी

देवास। देवास स्थित माता टेकरी पर यूं तो साल भर देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले भक्तों का तांता लगा रहता है मगर खासकर चैत्र नवरात्रि और शारदीय नवरात्रि में तो माँ तुलजा भवानी और मां चामुण्डा के दर्शनों के लिये और अपनी मुरादें लेकर देवास पहुँचने वालों की संख्या खासी बढ़ जाती है । 19 मार्च से शुरू होने वाली नवरात्रि के लिये इन दिनों स्थानीय प्रशासन और मां चामुण्डा देवस्थान समिति द्वारा भक्तों की सुविधा के लिए जोरदार तैयारी की जा रहीं है । भक्तों को सुगमता से दर्शन हो इसके लिये, बैरिकेड्स, पार्किंग व्यवस्था, पेयजल, निर्बाध विद्युत व्यवस्था और चाक चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के लिये जिलाधीश ऋतुराज सिंह, पुलिस कप्तान पुनीत गेहलोद तथा निगम आयुक्त दलीप कुमार के निर्देशानुसार टीमें तैयारियों में जुटी हैं ।

महिला सशक्तिकरण ही समाज की नींव

महिलाओं के साहस और संघर्ष का प्रतीक है, महिला दिवस

देवास। जिले की ग्राम पंचायत खटांबा जिला देवास में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में एक दिवसीय सेमिनार आयोजित किया गया यह सेमिनार विश्व युवक केंद्र दिल्ली की सहभागिता से सौंदर्य सेवा संस्थान समिति द्वारा आयोजित किया गया जिसमें महिलाओं के अधिकार सम्मान तथा समाज में उनकी भागीदारी जैसे विषयों पर चर्चा की गई।

संस्था अध्यक्ष सुनीता मंडलोई द्वारा बताया कि आज हम यहाँ नारी शक्ति का सम्मान करने और उनकी उपलब्धियों का उत्सव मनाने के लिए एकत्रित हुए हैं। महिला दिवस केवल एक तारीख नहीं, बल्कि उन करोड़ों महिलाओं के साहस और संघर्ष का प्रतीक है, जिन्होंने समाज की बेड़ियों को तोड़कर अपनी पहचान बनाई। एक सशक्त महिला न केवल अपना भविष्य बदलती है, बल्कि पूरे परिवार और राष्ट्र की नींव मजबूत करती है। आइए हम संकल्प लें कि हम अपने घरों और कार्यक्षेत्र में महिलाओं को समान अवसर और सम्मान देंगे। महिला सशक्तिकरण समाज की असली नींव है। जब महिलाएं शिक्षित, आत्मनिर्भर और सम्मानित होंगी, तभी समाज प्रगति करेगा। उनकी ताकत से परिवार मजबूत होता है और राष्ट्र की उन्नति सुनिश्चित होती है।

बरोठा मंडल में पं . दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान शुरू

देवास। हाटपीपल्या विधानसभा के बरोठा मंडल में रविवार को आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 के अंतर्गत पृथक पृथक रूप से बरोठा मंडल, शिप्रा मंडल एवं राजोदा मंडल के मंडल प्रशिक्षण वर्ग के प्रथम दिवस पर उपस्थित होकर प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ किया गया तथा उपस्थितजनों को संबोधित किया।

भारतीय जनता पार्टी एक राष्ट्रवादी विचारधारा पर आधारित संगठन है, जो सुशासन, अंत्योदय और सर्वांगीण विकास को राष्ट्र निर्माण का मूल आधार मानती है। हमारे कार्यकर्ताओं का समर्पण, सेवा और संगठन के प्रति निष्ठा ही पार्टी की सबसे बड़ी शक्ति है, जो समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की धारा पहुंचाने के संकल्प को साकार कर रही है। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष रायसिंह सेंधव ने अपने संबोधन में कहा कि प्रशिक्षण वर्ग संगठन को मजबूत बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों से कार्यकर्ताओं को पार्टी की विचारधारा, संगठनात्मक कार्यप्रणाली और जनसेवा के मूल मंत्रों को समझने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है और उसके समर्पण से ही पार्टी निरंतर आगे बढ़ रही है। वहीं हाटपीपल्या विधायक मनोज चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा कार्यकर्ता राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ कार्य करता है। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के अंत्योदय के सिद्धांत को आत्मसात करते हुए हमें समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं और विकास कार्यों का लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य करना है।

प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बहादुर मुकाती, नंदकिशोर पाटीदार, जिला महामंत्री मनीष सोलंकी, विजय सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष जगदीश चौधरी , रविंद्र सिंह, विश्वास उपाध्याय सहित भाजपा कार्यकर्ता बंधुओं की उपस्थिति रही। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी कमल अहिरवार ने दी।

योगासन प्राणायाम, ध्यान और सुदर्शन क्रिया का नि :शुल्क प्रशिक्षण

देवास। आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री श्री रविशंकर जी की प्रेरणा से दुनिया भर के 180 से अधिक देशों के करोड़ो लोग 1981 से अभी तक श्वास की प्रक्रिया सुदर्शन क्रिया के माध्यम से जीवन जीने की कला सीख कर अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव महसूस कर चुके है।

स्थानीय वरिष्ठ प्रशिक्षक पुष्पा केवट ने बताया की देवास के भी 20 से अधिक साधकों ने सुदर्शन क्रिया सीखी। 15 मार्च को संपन्न जीवन जीने की कला के हैप्पीनेस

प्रोग्राम में योग ध्यान प्राणायाम और लयबद्ध श्वास की प्रक्रिया सुदर्शन क्रिया के माध्यम से सीखा कि जीवन में सकारात्मकता के साथ वर्तमान क्षण में खुश कैसे रहा जाये।

शिविर में आर्ट ऑफ लिविंग इंदौर के वरिष्ठ प्रशिक्षक मनीष सोनी, स्थानीय वरिष्ठ प्रशिक्षक पुष्पा केवट और लक्ष्मी जायसवाल ने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम, ध्यान और सुदर्शन क्रिया का दिया नि:शुल्क प्रशिक्षण। शिविर में लोकेंद्र पिपलोदिया, विजय बिरला का भी सहयोग रहा।

लोक अदालत में राजस्व विभाग के 74 प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण

टोंक खुर्द। शासन के तहत नगर परिषद टोंक खुर्द को निर्देशित किया गया था कि राजस्व विभाग की वसूली की जावे इसी दिशा निर्देश को लेकर शासन के कानून का निर्देश का पालन करते हुए।

न्यायालय टोंक खुर्द मे नेशनल लोक अदालत मे राजस्व विभाग से पक्षकारों की वसूली सघन निरंतर की गई नगर परिषद टोंक खुर्द से राजस्व प्रभारी लाखन सिंह चौधरी द्वारा 216 प्रकरण लगाए गए थे जिसमें से 74 प्रकरण का निराकरण कार्यवाही की गई जिसमें राजस्व प्रभारी लाखन सिंह चौधरी एवं प्रभु लाल बामनिया द्वारा अपनी कड़ी मेहनत दिन रात कर शासन की राशि वसूली कर सराहनीय कार्य किया गया।

वसूली राशि 177119 राशि वसूलकर नेशनल लोक अदालत मे जमा की गई।

खान-पान की बिगड़ी आदतें मन : स्थिति को प्रभावित करती है : संत प्रेमा दीदी

देवास। बढ़ता तनाव या अवसाद आज के जीवन का कड़वा सच है। बच्चे हों या बूढ़े, महिलाएं हों या युवा, हर व्यक्ति इसकी गिरफ्त में है। इसके साथ ही तनाव के कारण उत्पन्न हो रहे मानसिक रोगों की भी बाढ़-सी आ रही है। अत्यधिक प्रतिस्पर्धी दौर से गुजर रहे इस युग में यह स्वाभाविक भी है। लेकिन इसके लिए हमारी बिगड़ी जीवन शैली भी कम जिम्मेदार नहीं है। खान-पान की बिगड़ी आदतें, अस्त-व्यस्त दिनचर्या, गलत संग-साथ, अमर्यादित आचरण- व्यवहार, नकारात्मक चिंतन ये सब मिलकर व्यक्ति के तन-मन पर अपना घातक प्रभाव दिखा रहे हैं। खान-पान की बिगड़ी आदतें मानरू स्थिति को प्रभावित करती है, क्योंकि अन्न के अनुरूप मन का अपना सूक्ष्म विज्ञान है। अन्न के स्थूल हिस्से से हमारा शरीर बनता है, किंतु इसका सूक्ष्म अंश हमारे मन को गढ़ता है। ऐसे में तामसिक एवं राजसिक खान-पान तत्काल ही तन-मन की जड़ता एवं चंचलता का कारण बनते हैं तथा दीर्घ अंतराल में मन की अस्थिरता एवं विकृति को पुष्ट करते हैं। हमारी दैनिक जीवन शैली से संबंधित उक्त बातें बालाजी नगर स्थित मानव उत्थान सेवा समिति आश्रम में आयोजित साप्ताहिक सत्संग समारोह में श्री सतपाल जी महाराज की शिष्या संत प्रेमा दीदी ने कही।

एक नजर

रामायण केवल एक धार्मिक ग्रंथ ही नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला दिखाने वाला महान ग्रंथ

रामायण हमें सिखाती है कि जीवन में सत्य, धर्म, त्याग, मर्यादा का पालन कैसे करना चाहिए

देवास। परशुराम वाटिका गार्डन, गंगानगर में चल रही श्रीराम कथा ज्ञान यज्ञ के द्वितीय दिवस सुप्रसिद्ध कथावाचक पं. ओमप्रकाश चतुर्वेदी ने कथा व्यास से भगवान श्रीराम के अवतार की भूमिका और उनके जन्म से जुड़े प्रसंगों का अत्यंत भावपूर्ण वर्णन किया।

कथा के दौरान श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से श्रीराम के चरित्र और उनकी लीलाओं का श्रवण किया। पं. चतुर्वेदी ने कहा कि हज़ारों वर्षों से भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपरा का आधार रही रामकथा में रामायण की महिमा अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। रामायण केवल एक धार्मिक ग्रंथ ही नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला, आदर्श आचरण और धर्म के मार्ग को दिखाने वाला महान ग्रंथ है। रामकथा के प्रारंभ में जब मंगलाचरण किया जाता है, तब विशेष रूप से संत कवि गोस्वामी तुलसीदास जी की स्तुति का भी बड़ा महत्व बताया जाता है। आयोजक सुरेश चंद्र व्यास (सेवानिवृत्त कार्यपालन यंत्री, नगर निगम देवास) ने बताया कि कथा श्रवण करने हेतु बडी संख्या में भक्तजन कथा स्थल पर पहुंच रहे है। कथा के दौरान सुमधुर भजनों की प्रस्तुति व रामकथा की सचित्र वर्णन कलाकारों द्वारा दिया जा रहा है। जिस पर भक्त मंत्रमुग्ध हो रहे है। व्यासपीठ की आरती रामेश्वर दायमा, राधाकृष्ण यादव, टीपी तिवारी, राजेन्द्र व्यास, गोपाल पटेल भेरूंदा, संजय व्यास, दिलीप शर्मा, ममता शर्मा, आरएस केलकर, ज्योतिषाचार्य भट्ट साहब, महेश व्यास, जगदीश व्यास सुरेश व्यास, सहित अन्य भक्तों ने श्रद्धा के साथ की। महाराज श्री ने आगे कहा कि रामकथा का उद्देश्य केवल कथा सुनाना नहीं होता, बल्कि श्रोताओं के मन में भक्ति, सदाचार और मर्यादा की भावना जगाना भी होता है। इसी कारण कथा की शुरुआत में मंगलाचरण किया जाता है, जिससे वातावरण पवित्र और मंगलमय हो जाता है।